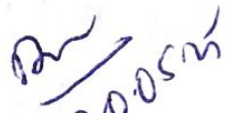


20.05.25

पत्रावली पेश हुई । वकील अभ्यक्ष उपस्थित ।
वकील अभ्यक्ष की वदत पर मनन करने के पत्रावली
का अलौकन करने पर प्रार्थी/प्रतिवादी का प्र
0-7 R-11 CPC हकीकर चौगुन होने के कारण स्वीकार
किया जाकर वादिया का वादपत्र इसी स्तर पर
स्थिज किया जाता है । विस्तृत निर्णय पृथक से
लिखा जाकर संलग्न किया गया । पत्रावली बाद
तशीख तर्कमूल होकर दाखिल दफ्तर है ।

निर्णय लिखा जाकर तुले न्यायालय
में सुनाया गया ।


(किरण पाल)
RAS.